पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.02.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के
तत्वावधान में
महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव
रविवार, 15 फरवरी 2015
दोपहर 2.30 से सायं 5.30 बजे तक
स्थान: संस्कृत अकादमी पुस्तकालय,प्लाट-5,
झण्डेवाला एक्स.,करोल बाग,दिल्ली.
आप सादर आमन्त्रित हैं।

वर्ष-31 अंक-17 माघ-2071 दयानन्दाब्द 191 1 फरवरी से 15 फरवरी 2015 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.02.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने किया श्री अमित शाह का भव्य अभिनन्दन

राष्ट्रीय एकता व भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए हमें सहयोग दें - श्री अमित शाह का आह्वान

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का शाल व स्वामी दयानन्द का चित्र भेंट कर अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य,चौ.लाजपतराय आर्य व साथ में केन्द्रीय मन्त्री श्री थावरचन्द गहलोत। द्वितीय चित्र-मंच पर बायें से श्री ओम सपरा, श्री रविदेव गुप्ता, चौ. लाजपतराय आर्य, केन्द्रीय मन्त्री श्री थावरचन्द गहलोत, सम्बोधित करते श्री अमित शाह, डा.अनिल आर्य व सांसद श्री महेश गिरी।

नई दिल्ली। 30 जनवरी 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में 4, जनपथ, नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के सम्मान में भव्य अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय एकता व भारतीय संस्कृति का सन्देश वाहक है और देश के विकास में आपसे सहयोग की अपेक्षा करते है। आर्य समाज का भी प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्रीयता से ओतप्रोत है, आर्य समाज का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। मैं आज आपसे इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग की अपील करता हूँ कि श्री मोदी जी के हाथ मजबूत करें। महर्षि दयानन्द सरस्वती के गुजरात से उनके विचार लेकर मैं आपके बीच आया हूँ आशा करता हूँ कि आप अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे। आज वैदिक विचारधारा व राष्ट्रीयता की विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिये भाजपा आपका प्रतिनिधित्व करती है। आप सभी इस राष्ट्रीय कार्य में पूरे मनोयोग से जुट जायें।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज सदैव राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ है, क्योकि आज देश को श्री नरेन्द्र मोदी जैसे राष्ट्रवादी, कुशल व सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने पूरे विश्व मे आज भारत की गरिमा को बढ़ाया है। गुरूकुल प्रणाली का उत्थान, भारतीय संस्कृति की रक्षा, गौ हत्या बन्दी जैसे कार्य भाजपा ही कर सकती है। इस अवसर पर केन्द्रीय मन्त्री थावर चन्द गहलोत, सांसद महेश गिरी, सांसद मीनाक्षी लेखी, रविदेव गुप्ता, ओम सपरा, अमीरचन्द रखेजा, रामकुमार सिंह, चौ. लाजपतराय आर्य, राजेश मेहन्दीरता, देवेन्द्र भगत, गायत्री मीना, प्रभात शेखर, प्रि.अन्जु महरोत्रा, हर्षदेव शर्मा, भारत भूषण धूपड़, स्वतन्त्र कुकरेजा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। युवा गायक अंकित उपाध्याय व नरेन्द्र आर्य सुमन ने अपने भजनों से समां बांध दिया। श्री अमित शाह का शाल व स्वामी दयानन्द का चित्र भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी का स्वागत करते डा.अनिल आर्य,श्री भारतभूषण धूपड़, श्री विजय भास्कर व द्वितीय चित्र में उत्साह से परिपूर्ण आर्य बन्धु।

संचालन करते डा. अनिल आर्य व द्वितीय चित्र में-श्री हिमांशु शेखर के सपत्निक स्वागत का दृश्य।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 36 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

तीन दिवसीय अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन शानदार सफलता के साथ सम्पन्न

वैदिक विचारधारा से संस्कारित आर्य युवा ही देश को बदलेंगे - शिक्षाविद डा.अशोक कुमार चौहान

नई दिल्ली। 26 जनवरी 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ,नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 24, 25, 26 जनवरी 2015 को दक्षिण दिल्ली के कमल सिनेमा पार्क, सफदरजंग एनक्लेव में ''अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन'' का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में देश के 15 प्रान्तों से लगभग 5,000 आर्य प्रतिनिधि सम्मलित हुए। सम्मेलन के अन्तर्गत प्रातः 8.30 बजे से रात्री 9.30 बजे तक निरन्तर 11 सत्र चले जिसमें मुख्य रूप से ''राष्ट्रीय एकता अखण्डता रैली'', विश्व शान्ति महायज्ञ,राष्ट्रीय आर्य महिला सम्मेलन, व्यायाम

शक्ति प्रदर्शन, युवा सम्मेलन, वेद–संस्कृत रक्षा सम्मेलन, सत्यार्थ प्रकाश सम्मेलन, संगीत संध्या, राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, शिक्षा–संस्कृति रक्षा सम्मेलन आदि मुख्य रहे। सम्मेलन में कन्या भूण हत्या के विरूद्ध जनजागरण, शराब–नशा मुक्त समाज की संरचना, युवा पीढ़ी को संस्कारित करने हेतु शिविर, आंतकवाद के विरूद्व अभियान और समाज में बढ़ते पाखण्ड अन्धविश्वास के विरूद्वतीव्र गति से अभियान चलाने के निश्चय हुए। संस्कृत को पुनः सम्मान देने के लिये केन्द्रीय मन्त्री श्रीमती स्मृति ईरानी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समारोह का संचालन परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने किया।

समारोह अध्यक्ष डा.अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि आज देश को संस्कारित युवा पीढ़ी की अत्यन्त आवश्यकता है और यह कार्य वैदिक विचारधारा से अनुप्राणित युवा ही कर सकते हैं। संस्कार विहिन व्यक्ति पशु के समान है । महर्षि दयानन्द ने अपने चरित्र व विद्वता से सारे विश्व में अपना लोहा मनवाया उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक है आवश्यकता केवल उन्हें जीवन में धारण करने की है। यह काम केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् सराहनीय ढंग से कर रही है मैं इन्हें हार्दिक बधाई देता हूँ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा .अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज हिन्दू समाज को संगठित करने का देश व्यापी अभियान चलायेगा तथा युवा पीढ़ी को अपने इतिहास के बारे में सही जानकारी उपलब्ध करवायी जायेगी। उन्होंने कहा कि आज भ्रष्टाचार, आंतकवाद, सरकारी तुष्टिकरण की नीति, पाखण्ड–अन्धविश्वास समाज की जड़ों को खोखला कर रहे हैं, इनका मुकाबला वैचारिक क्रान्ति से ही किया जा सकता है, विचारों की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है, देश में विघटनकारी ताकतें सर उठा रही हैं, सरकार को चाहिये कि देश की अखण्डता से खिलवाड़ करने वालो के साथ सख्ती के साथ पेश आये।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने कहा कि चरित्रवान युवा राष्ट्र की अमूल्य सम्पति है और राष्ट्र का भविष्य ऐसे ही नौजवानों पर है। आर्य समाज नया युवा पीढ़ी को सही दिशा देकर देश की दशा व दिशा को बदलने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आर्य समाज पिछले 20 वर्षो से बेटी बचाओ अभियान चला रहा है और आज हमारे प्रधानमन्त्री जी ने भी उसे राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया है हम उसके लिए उन्हें बधाई देते हैं।

प्रथम दिवस ध्वजारोहण सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी ने किया, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आन्दोलन में आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि हम हिन्दी भाषा को अपने जीवन में अपनायें, हिन्दी हमारी राष्ट्रीय एकता की मूलाधार है। द्वितीय दिवस ध्वजारोहण श्री प्रभात शेखर (मनोहरलाल ज्वैलर्स) ने किया व तृतीय दिवस ध्वजारोहण श्री सुरेन्द्र कोहली ने किया।

शनिवार, 24 जनवरी 2015 को प्रातः 10.30 बजे विशाल शोभा यात्रा सफदरजंग एनक्लेव के क्षेत्रों से निकाली जिसका नेतृत्व स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी दुग्धाहारी, स्वामी सोम्यानन्द जी, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री रविदेव गुप्ता, मन्त्री श्री चतरसिंह नागर, डा.अनिल आर्य, श्री कृष्णचन्द पाहुजा, श्री सुरेश आर्य, श्री महेन्द्र भाई, श्री सुशील आर्य, श्री प्रवीन आर्य, कै. अशोक गुलाटी, श्री राजेश मेहन्दीरता, श्री जितेन्द्र डावर, श्री हरिचन्द आर्य, श्री प्रकाशवीर शास्त्री, श्री के. एल.राणा, श्री देवदत आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री सन्तोष शास्त्री, श्री वीरेन्द्र योगाचार्य, श्री राकेश भटनागर, श्री सुभाष चांदला, श्री अनिल हाण्डा, श्री अजय तनेजा आदि कर रहे थे। शोभा यात्रा की शोभा देखते ही बनती थी, गुरूकुल गौतम नगर, खेड़ाखुर्द, गाजियाबाद, नोएडा,परिषद् के आर्य युवक, कालका पब्लिक स्कूल, विभिनन्न आर्य समाजों के वाहन खिली खिली धूप में आकर्षक लग रहे थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः डा.जयेन्द्र आचार्य के कुशल ब्रह्मत्व में यज्ञ के साथ हुआ। श्री महेन्द्र भाई जी,श्री वेदप्रकाश आर्य, श्री प्रभुनाथ सिंह आदि ने सुन्दर व्यवस्था सम्भाली। दोपहरबाद परिषद् व संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ''वेद–संस्कृत रक्षा सम्मेलन'' सम्पन्न हुआ। स्वामी दिव्यानन्द जी ने अध्यक्षता की व आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने संचालन किया। रात्री श्री नरेन्द्र आर्य सुमन, श्री अंकित उपध्याय व आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री की मधुर भजन संध्या हुई जिसकी सबने सराहना की।

रविवार, 25 जनवरी 2015 को प्रातः यज्ञ के पश्चात ''राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन'' शिक्षाविद डा. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। स्वामी आर्य वेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार (इन्दौर), श्री मित्रमहेश आर्य (अहमदाबाद), श्री सुभाष बब्बर (जम्मू), श्री मनोहरलाल चावला (सोनीपत), डा.मदनमोहन बजाज आदि ने अपने विचार रखे।

दोपहरबाद ''आर्य महिला सम्मेलन'' श्रीमती गायत्री मीना (प्रधान, आर्य समाज नोएडा) के अध्यक्षता व श्रीमती अर्चना पुष्करना के संयोजन में सम्पन्न हुआ, बहिन प्रवेश आर्या, पूनम आर्या, संध्या बजाज, प्रि.अन्जु महरोत्रा, श्रीमती नीता खन्ना, कविता आर्या आदि ने अपने विचार रखे।

सायंकाल आर्य युवकों द्वारा व्यायाम शक्ति प्रदर्शन के रोचक कार्यक्रम दिखाये गये जिसका संयोजन श्री शंकरदेव आर्य, श्री सौरभ गुप्ता, श्री योगेन्द्र आर्य, श्री आशीष आर्य, श्री प्रदीप आर्य आदि कर रहे थे।

रात्री सत्र में ''सत्यार्थ प्रकाश सम्मेलन'' सम्पन्न हुआ। आचार्य पवनवीर (शुकताल), आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा, आचार्य चन्द्रशेख्र शास्त्री, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, श्री रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़) आदि के ओजस्वी उदबोधन हुए।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन समारोह की सुन्दर झलकियां

सोमवार, 26 जनवरी 2015 को प्रातः वर्षा व सर्द हवाओ के बावजूद तिरपाल लगा कर ''यज्ञ'' बड़ी श्रद्धा व प्रेम के साथ सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में ''युवा सम्मेलन'' सम्पन्न हुआ जिसमें डा.महेश विद्यालंकार, ओमप्रकाश यर्जुवेदी, डा.वीरपाल विद्यालंकार, श्री वीरेन्द्र विक्रम, ब्र.दीक्षेन्द्र, सन्तोष शास्त्री आदि के ओजस्वी उद्बोधन हुए तथा दोपहरबाद ''शिक्षा संस्कृति रक्षा सम्मेलन'' सम्पन्न हुआ, श्री यशपाल यश (जयपुर) ने कुशल मंच संचालन किया।

समारोह को सफल बनाने में श्री आनन्द चौहान, दर्शन कुमार अग्निहोत्री, चौ.लाजपतराय आर्य (करनाल), सुरेन्द्र मानकटाला, डा. रिखबचन्द जैन, श्री तिलक चान्दाना, प्रवीन तायल, सुरेन्द्र शास्त्री, लालरामचन्दानी, जितेन्द्र सिंह आर्य, विजयारानी शर्मा, रमेश गाडी, चन्द्रप्रभा अरोड़ा, अमीरचन्द रखेजा, ओम सपरा, कमल आर्य, बाबुराम गुप्ता, सुदेशवीर आर्या, सुशील आर्य, श्यामसिंह यादव, देवदत आर्य, रामफल खर्ब, महावीरसिंह आर्य, विश्वनाथ आर्य, ओमबीर सिंह, अरूण आर्य, माधव आर्य, रामचन्द सिंह, सुदेश भगत,पार्षद शैलेन्द्र सिंह मोन्टी, वेदप्रभा बरेजा, अमरनाथ बत्रा, पं.रमेशचन्दस्नेही, आचार्यनकुलदेव (उड़ीसा), वीरेन्द्रयोगाचार्य (फरीदाबाद), गोबिन्दसिंहभण्डारी (बागेश्वर), अशोकआर्य (पंचकुला), शंकरदेवआर्य (खण्डवा), आनन्दआर्य (हापुड़), अजयआर्य (करनाल) ,ईशआर्य (हिसार), यशोवीर आर्य, देवेन्द्र भगत ,वीरेश आर्य आदि सभी का अपार सहयोग प्राप्त हुआ। परिषद् आप सभी का आभार व्यक्त करता है।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन समारोह की सुन्दर झलकियां

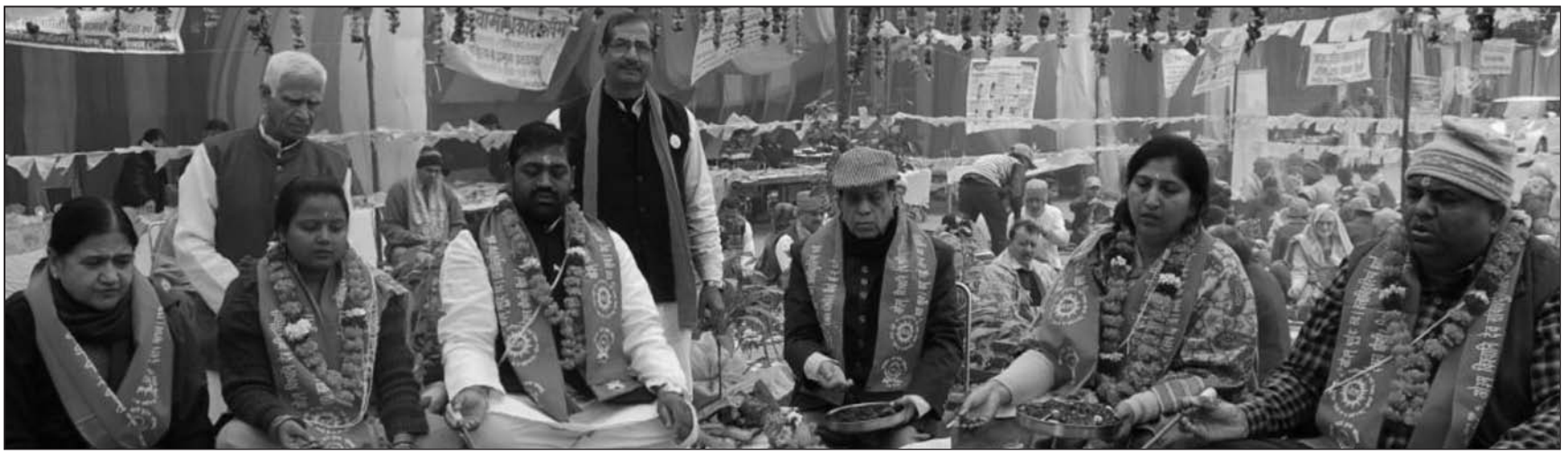

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् व संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में **191 वां महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव**

रविवार, 15 फरवरी 2015, दोपहर 2.30 से सायं 6.00 बजे तक,

स्थानः संस्कृत अकादमी पुस्तकालय,प्लाट–5,झण्डेवाला एक्स.,करोल बाग,दिल्ली–110005

अध्यक्षताः स्वामी प्रणवानन्द जी सरस्वती

मुख्य वक्ताः डा.महावीर अग्रवाल,डा.आनन्द कुमार, आचार्य वेदप्रकाश श्रोत्रिय, डा.धर्मपाल आर्य,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,श्री अकिंत उपाध्याय। आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं। प्रीति भोज समय 6:00 बजे से 7:00 बजे तक

निवेदकः डा.अनिल आर्य,संयोजक डा. धर्मेन्द्र कुमार, सचिव, संस्कृत अकादमी

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970